भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 144 #

गुरूवार, 12 फरवरी, 2026/23 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ज्योतिर्लिंग स्थलों का विकास

144 # श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकियाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भगवान शिव के अत्यंत पवित्र बारह ज्योतिर्लिंग स्थलों का विकास, कॉरिडोर परियोजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है;

(ख) क्या उक्त कॉरिडोर परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन, संपर्क (कनेक्टिविटी) और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है; और

(ग) उक्त परियोजनाओं के संबंध में निर्धारित लक्ष्य और अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया द्वारा ज्योतिर्लिंग स्थलों के विकास के संबंध में दिनांक 12.02.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न संख्या 144 # के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (ग): धार्मिक पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय, अपनी जारी योजनाओं, जैसे 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)', 'स्वदेश दर्शन' और 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना के माध्यम से, राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को देश भर में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके, उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

उपर्युक्त योजनाओं का उद्देश्य पर्यटकों की सुविधा, पहुंच, स्वच्छता, अंतिम-छोर तक कनेक्टिविटी आदि सुनिश्चित करते हुए सुनियोजित पर्यटन अवसंरचना की उपलब्धता के माध्यम से पर्यटकों के तीर्थ और आध्यात्मिक अनुभव को जीवंत रूप प्रदान करना है। पर्यटन को बढ़ावा देने, रोजगार सृजित करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से पर्यटन अवसंरचना का समग्र रूप से विकास सुनिश्चित किया जाता है।

उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं का कार्यान्वयन संबंधित राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त योजनाओं के अंतर्गत देश में ज्योतिर्लिंग स्थलों के विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं का उनकी वर्तमान स्थिति सहित विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया द्वारा ज्योतिर्लिंग स्थलों के विकास के संबंध में दिनांक 12.02.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न संख्या 144 # के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

ज्योतिर्लिंग पर अलग-अलग योजनाओं के तहत सभी परियोजनाओं की सूची:

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**योजना**	**परियोजना की लागत (करोड़ रु. में)**	**स्थिति**
1.	आंध्र प्रदेश में श्रीसैलम मंदिर का विकास	प्रशाद	43.08	पूर्ण
2.	सोमनाथ में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	प्रशाद	45.36	पूर्ण
3.	सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	प्रशाद	47.12	पूर्ण
4.	बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर का विकास	प्रशाद	36.79	पूर्ण
5.	मंध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर का विकास	प्रशाद	43.93	पूर्ण
6.	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास	प्रशाद	45.41	पूर्ण
7.	रामेश्वरम का ऐतिहासिक बदलाव	चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)	30.02	कार्य जारी
8.	चेन्नई - मामल्लापुरम - रामेश्वरम - मानपाडु - कन्याकुमारी का विकास	स्वदेश दर्शन 1.0	73.13	पूर्ण
9.	केदारनाथ का एकीकृत विकास	प्रशाद	34.77	पूर्ण
कुल			**399.61**	

****